खास-खबरें

राज्यपाल ने राजभवन में नवनिर्मित जिम्नेजियम का उद्घाटन किया

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मंगलवार को राजभवन स्थित पुलिस बैरक में पुलिस कर्मियों के लिए नवनिर्मित जिम्नेजियम का उद्घाटन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने जिम्नेजियम में स्थापित सभी उपकरणों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ट्रेड मिल पर चलने, रिकमबेंट बाइक चलाने और डम्बल उठा कर जिम का शुभारम्भ किया। राज्यपाल के प्रमुख सचिव संजीव कुमार झा, जनजातीय प्रकोष्ठ के सचिव बी. एस. जामोद एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। श्री पटेल को बताया गया कि नवनिर्मित जिम्नेजियम पूर्णत: वातानुकूलित है। शारीरिक फिटनेस के लिए आवश्यक सभी व्यायाम के उपकरण और मशीनें करीब 50 लाख रूपए की लागत से स्थापित की गई। जिम में स्थापित उपकरणों में ट्रेड मिल, क्रॉस ट्रेनर, रिकमबेंट बाइक, स्ट्रेच मशीन, लेग एक्सटेंशन, लेग कर्ल, इनर आउटर थाई, सीटेड-रो और बीटल रोप शामिल हैं।

केबिनेट बैठक में परोसा श्रीअन्न

भोपाल। मंत्रालय में केबिनेट की बैठक में आज एक नई पहल हुई। बैठक में स्वल्पाहार के तौर पर पूर्व में प्रचलित खाद्य सामग्री के स्थान पर श्रीअन्न (मिलेट्स) से बने व्यंजन मंत्रि-परिषद सदस्यों को परोसे गए। इनमें बिस्किट, सैंडविच, कटलेट, बाजरा खिचड़ा, पापड़, खीर शामिल थी। मंत्रीगण को यह व्यंजन पसंद भी आए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी श्री अन्न को प्रोत्साहित कर रहे हैं। वर्ष 2023 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा इंटरनेशनल मिलेट ईयर घोषित किया गया है। मिलेट्स को प्रोत्साहित करने के लिए आज केबिनेट में मिलेट्स से बने व्यंजन परोसने की शुरूआत की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। श्री अन्न स्वास्थ्य के लिए भी बहुत उपयोगी हैं।

नीम, आम और अमरूद का पौधरोपण

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट पार्क में नीम, आम और अमरूद के पौधे लगाए। सामाजिक कार्यकर्ता किशन राठौर ने अपने जन्म-दिवस पर पौध-रोपण किया। भोपाल विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल लिली के साथ श्रीमती तृप्ति पाराशर ने अपनी जन्म वर्षगाँठ पर और मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता सुश्री प्रिया सोनपार ने भी पौधे रोपे।

दिग्विजय सिंह न किसी के भाई, न किसी के जानः डॉ. मिश्रा

भोपाल। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि दिग्विजय सिंह न किसी के भाई हैं और न किसी की जान हैं। वे तो पड़ोसी मुल्क में आटा महंगा होने से परेशान हैं। दिग्विजय सिंह तो एक वर्ग विशेष के तुष्टीकरण के लिए पत्थरबाजों के बच्चों को भी निर्दोष बताते हैं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि दिग्विजय सिंह ट्वीट कर लिखते है कि रामनवमीं के जुलूस पर सभी प्रदेशों में घटना एक प्रकार की ही थी, जुलूस पर पत्थर फेंकने के साथ पत्थरबाजी शुरू हो गई और दंगा भड़क गया। यह पत्थरबाजी कौन करता है? पता नहीं, लेकिन पकड़े जाते हैं एक ही वर्ग के निर्दोष बच्चे। इस पर मिश्रा ने कहा कि दिग्विजय सिंह खुद ही एक ही वर्ग के लोगों को पत्थरबाज बता रहे हैं। दिग्विजय सिंह, सीसीटीवी फुटेज आ गए, पुलिस, कानून, संविधान सब पर सवाल उठा रहे है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि दिग्विजय सिंह वैसे भी विभाजन की ही राजनीति करते है। वह न किसी के भाई है और न ही किसी के जान, वह तो पड़ोसी पाकिस्तान में आटा महंगा होने से है परेशान।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा आज कर्नाटक प्रवास पर

भोपाल। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा 26 अप्रैल को कर्नाटक के बेंगलुरू विधानसभा में चुनावी प्रवास पर रहेंगे। श्री शर्मा 26 अप्रैल को प्रात: 8 बजे बेंगलुरू के वार्ड क्रमांक 35 के आंजनेया टेंपल अश्वथ नगर में पूजन-अर्चन करने के पश्चात् महाजनसंपर्क अभियान में भाग लेंगे। आप इस दौरान फ्लोर मील रोड, अश्वथ नगर क्षेत्र के आसपास मूर्तियों, केंपेगोड़ा, केजी टॉवर, पार्क छत्रपति शिवाजी, बेसूम सर्किल, रामानुजाचार्य बल्लारी रोड, कुवेम्पु स्टेचू, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद स्टेचू, वाल्मीकि स्टेचू पर मार्ल्यापण करेंगे। श्री शर्मा सायं 4 बजे वार्ड 76 के डी-ब्लॉक गायत्री नगर में पदयात्रा में शामिल होंगे।

कृषि अधिकारी किसानों का भविष्य बनाने प्रामाणिक सेवाएँ दें: चौहान

आगामी 15 अगस्त तक भर दिए जाएंगे एक लाख सरकारी पद, मुख्यमंत्री ने 87 महिला अधिकारी सहित 251 कृषि अधिकारियों को सौंपे नियुक्ति-पत्र

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कृषि क्षेत्र, अर्थ-व्यवस्था को मजबूत बनाने का कार्य करता है। मध्यप्रदेश ने कृषि के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। विभाग में पदस्थ किए गए वरिष्ठ कृषि विकास और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को किसानों का जीवन बदलने का जिम्मा मिला है।

प्रदेश के किसानों का भाग्य बदलने और उनका भविष्य बनाने का महत्वपूर्ण दायित्व नव-नियुक्त कृषि अधिकारियों पर है। मध्यप्रदेश कृषि क्षेत्र में काफी आगे है। नव-नियुक्त कृषि अधिकारी परिश्रम और प्रामाणिकता से सेवाएँ देते हुए यह संकल्प लें कि किसानों के जीवन को बदलने का माध्यम बनेंगे। श्री चौहान ने कहा कि कृषि विभाग के साथ अन्य विभागों में भी रिक्त पदों को भरने का अभियान चल रहा है। आगामी 15 अगस्त तक विभिन्न विभागों में करीब एक लाख पदों की पूर्ति का कार्य पूरा हो जाएगा। नौजवानों को काम देकर मध्यप्रदेश को समृद्ध बनाएंगे। श्री चौहान ने आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय समत्व भवन में 251 वरिष्ठ कृषि विकास और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किये। इनमें 87 महिला अधिकारी शामिल हैं। श्री चौहान ने कहा कि नव-नियुक्त अधिकारियों की किसानों के लिए समर्पित भूमिका होगी तो वे जीवन सार्थक बना सकेंगे। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त कृषि अधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि कार्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण से हम किसानों की जिंदगी बदलने का कार्य कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने एक कहानी के माध्यम से एक कार्य करने वाले तीन श्रमिकों के तीन दृष्टिकोण का उल्लेख किया और कहा कि जो हमें दायित्व मिला है उसे सौभाग्य मान कर करें, इसी में सार्थकता है।

श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में 700 प्रतिशत अनाज उत्पादन बढ़ा है। देश की अर्थ-व्यवस्था में मध्यप्रदेश का योगदान बढ़ रहा है। प्रदेश की कृषि विकास दर बढ़ी है। आज मध्यप्रदेश भारत का फूड बास्केट कहलाने लगा है। देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन का 10वाँ हिस्सा सिर्फ मध्यप्रदेश उत्पन्न करता है। मध्यप्रदेश का सोयाबीन, दालें, मसाले और अदरक उत्पादन में देश में प्रथम गेहूँ, मक्का और प्याज उत्पादन में द्वितीय, तिलहन और सुगंधित पौधों के उत्पादन में तृतीय स्थान है। प्रदेश में कृषि की नई तकनीक के उपयोग के साथ ही जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रतीक स्वरूप कुछ अधिकारियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए। उन्होंने नव-नियुक्त अधिकारियों के साथ समूह छायाचित्र भी खिंचवाए।

किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने कहा कि मध्य प्रदेश, देश में कृषि क्षेत्र में अग्रणी है। उन्होंने गत वर्ष कृषि के क्षेत्र में किये गये प्रयासों के बारे में भी बताया। प्रारंभ में अतिथियों का पुष्प-गुच्छ से स्वागत किया गया। अपर मुख्य सचिव, किसान-कल्याण एवं कृषि विकास अशोक वर्णवाल और आयुक्त किसान-कल्याण एवं कृषि विकास सेल्वेंद्रन भी उपस्थित थे। उप संचालक कृषि डॉ. पूजा सिंह ने संचालन किया।

नियुक्ति संग मिली खुशी

आज जिन 251 युवाओं को नियुक्ति मिली है उनमें खरगोन जिले के मुकेश बडोले, धार जिले के मिश्रीलाल वास्केल, सीहोर जिले की सुश्री मधु मालवीय और अनिल कुमार अजनेरिया साधारण परिवारों से आते हैं। इन सभी ने बताया कि किसानों के कल्याण के लिए कार्य करने का अवसर मिलने पर उन्हें रोजगार के साधन के साथ ही हृदय से प्रसन्नता प्राप्त हुई है। पूरे परिश्रम से अपने दायित्व को निभाने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

श्री चौहान ने मुख्यमंत्री निवास सभा कक्ष में आज 251 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी और वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए। इनमें 241 पद ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी और 10 पद वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी के हैं। इनमें 164 पुरूष और 87 महिलाएँ शामिल हैं। विभाग में नियमानुसार विभिन्न स्तर पर रिक्त पदों को भरने के लिए नियुक्तियाँ की जा रही हैं। कुल 2805 पदों को भरने के लिए प्रक्रिया जारी है। इनमें सर्वाधिक पद 1852 ग्रामीण विस्तार अधिकारियों के हैं। इसके अलावा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, प्रयोगशाला सहायक, स्टेनोग्राफर वर्ग तीन, स्टेनो टाइपिस्ट, ब्लाक टेक्नालॉजी मैनेजर, कम्प्यूटर आपरेटर, एकाउंटेंट और असिस्टेंट टेक्नालॉजी मैनेजर आदि के पद शामिल हैं।

ओंकारेश्वर में शंकराचार्य की प्रतिमा स्थापना अगस्त माह में

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मंत्रालय सभाकक्ष में मंत्रि-परिषद की बैठक शुरू होने से पहले मंत्रीगण से कहा कि मध्यप्रदेश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण के प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी समृद्ध परंपराओं, संस्कृति की विशेषताओं और भारतीय दर्शन को नई पीढ़ी तक ले जाने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं।

आज आदि गुरू शंकराचार्य, रामानुजाचार्य के साथ ही सूरदास का भी प्राकट्य दिवस है। ये अद्भुत संत थे। शंकराचार्य जी ने रामेश्वरम से लेकर बद्रीनाथ तक उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक राष्ट्र को एक करने का कार्य किया। इस भाव से ही ओंकारेश्वर में एकात्म धाम का निर्माण किया जा रहा है। यहाँ आगामी 15 अगस्त तक शंकराचार्य जी की विशाल प्रतिमा भी स्थापित होगी। साथ ही अद्वैत संस्थान का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इसी श्रंखला में सागर में संत रविदास जी के मंदिर का निर्माण हो रहा है। जाम सावली हनुमान धाम, सलकनपुर में देवी लोक, दतिया में माँ पीतांबरा माई लोक, ओरछा में रामराजा लोक का निर्माण किया जा रहा है। संत-महात्माओं के साथ जनजातीय नायकों और क्रांतिकारियों के योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें सम्मानित करने के लिए उनकी प्रतिमाओं की स्थापना विभिन्न स्थान पर की जा रही है। श्री चौहान ने कहा कि सतपुड़ा क्षेत्र में देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले राजा भभूत सिंह का योगदान भी सामने लाया जाएगा। कालगढ़ी का जीर्णोद्धार कार्य भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा सभी वर्गों के विकास के साथ सामाजिक समरसता को बढ़ाने के लिए कार्य किया जा रहा है। चाहे अनुसूचित जाति समाज हो या अनुसूचित जनजाति वर्ग, पिछड़ा वर्ग या सामान्य वर्ग, सभी के कल्याण के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। ब्राह्मण बोर्ड के गठन, संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन, मंदिरों की भूमि की सुरक्षा के संबंध में प्रावधान, पुजारियों के लिए मानदेय वृद्धि की पहल भी प्रदेश में हुई है। सभी वर्गों के कल्याण का कार्य किया जा रहा है। संघर्ष नहीं समन्वय के सिद्धांत पर जहाँ पेसा निमय लागू किया गया, वहीं महू और ग्वालियर में अंबेडकर महाकुंभ एवं सागर में रविदास जयंती के आयोजन हुए हैं।

उद्योगपति की बेटी ने कारोबारी पति पर लगाए अननेचुरल सैक्स के आरोप

भोपाल(काप्र). *इंदौर के एक उद्योगपति की बेटी ने अपने कपड़ा कारोबारी पति पर अननेचुरल सेक्स सहित दहेज में पाँच करोड़ मांगने के आरोप लगाते हुए महिला थाने में शिकायत की है। शिकायत में पीड़ीता ने ससुराल पक्ष के तीन लोगों के खिलाफ भी दहेज में 5 करोड़ रुपए मांगने का आरोप लगाया है।*

महिला थाना पुलिस के अनुसार रेसकोर्स रोड पर रहने वाले एक उद्योगपति की 29 वर्षीय बेटी की शादी साल मई 2022 में एसेंशिया होटल पिपल्याहाना में बैरागढ़ (भोपाल) के रहने वाले कपड़ा व्यापारी के बेटे से हुई थी। शिकायत में बताया गया है कि शादी के समय पीड़ीता के परिवार वालो ने काफी रुपए खर्च किए थे। बाद में पीड़िता जब अपने ससुराल पहुंची तो आरोपियों ने उसे मानसिक रूप से परेशान करना शुरू कर दिया। विवाहिता का आरोप है कि उसके पिता का बड़ा बिजनेस होने पर ससुराल पक्ष के लोग दहेज में 5 करोड़ की डिमांड करने लगे। पीड़िता का यह भी आरोप है कि कुछ समय बाद पति ने गलत तरीके से संबंध बनाने के लिए दबाव बनाया। जब वह नहीं मानी तो पति ने उसके साथ मारपीट करते हुए उसके साथ अननेचुरल सेक्स किया। परेशान होकर वह अपने पिता के पास इंदौर चली गई। बाद में वकील के माध्यम से थाने में शिकायत की। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

नए 25 चलित और 20 स्थाई रसोई केन्द्र बनेंगे

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई केबिनेट में आज दीनदयाल अंत्योदय रसोई योजना में तृतीय चरण को मंजूरी दी गयी है। तृतीय चरण में 25 चलित रसोई केन्द्र और 20 नये स्थायी रसोई केन्द्र बनेंगे।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने जानकारी दी कि 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले 4 नगरीय निकायों में 11 चलित रसोई केन्द्र और शेष 12 नगर पालिक निगमों एवं पीथमपुर तथा मंडीदीप में एक-एक नवीन चलित रसोई केन्द्र शुरू किये जायेंगे। नगरपालिक निगम भोपाल में 4, इंदौर में 3, ग्वालियर और जबलपुर में 2-2, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, देवास, कटनी, खंडवा, मुरैना, रतलाम, रीवा, सागर, सिंगरौली एवं उज्जैन में एक-एक तथा नगरपालिका परिषद पीथमपुर और मंडीदीप में एक-एक चलित रसोई केन्द्र शुरू होंगे। बीस हजार से 50 हजार जनसंख्या वाले नगरीय निकाय मंडीदीप, आष्टा, गंजबासौदा, सिरोंज, गोहद, राघौगढ़, डबरा, सारणी, इटारसी, सेंधवा, पीथमपुर, गाड़रवाड़ा, बीना, खुरई, मकरोनिया, बुजुर्ग, जावरा, शुजालपुर, नागदा, मालथौन और बुधनी में एक-एक नवीन रसोई केन्द्र की स्थापना की जायेगी।

उल्लेखनीय है कि जरूरतमंदों को किफायती दर पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रथम चरण में प्रदेश के 51 जिला मुख्यालयों के 56 केन्द्रों में दीनदयाल अन्त्योदय रसोई योजना (प्रथम चरण) प्रारंभ की गई। द्वितीय चरण में 52 जिला मुख्यालयों में 94 एवं 6 धार्मिक नगरियों (मैहर, चित्रकूट ओंकारेश्वर, महेश्वर ओरछा एवं अमरकंटक) के कुल 100 रसोई केन्द्रों में विस्तार किया गया। श्री सिंह ने कहा है कि दीनदयाल अन्त्योदय रसोई में केवल स्थाई केन्द्र संचालित होने से कई ऐसे जरूरतमंद लोग जो स्थाई केन्द्र तक नहीं पहुँच पाते, इस योजना के लाभ से वंचित रह जाते हैं। तैयार भोजन चलित रसोई केन्द्र में लेकर हितग्राहियों को वितरित किया जा सकेगा। दीनदयाल रसोई में रियायती दर पर जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। थाली में 160 ग्राम गेहूँ की रोटी (लगभग 5) सब्जी, दाल, चावल रहता है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने मंगलवार को आदिगुरु भगवान शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर कर्नाटक के मल्लेश्वरम् विधानसभा में स्थित शंकराचार्य मंदिर में पूजन व अर्चन कर देश एवं प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।

5वीं में अधिक क्रेडिट अंक से सीधे 8वीं में प्रवेश

भोपाल (काप्र)।

होनहार बच्चों के लिए अब एक बड़ी खुशखबरी सामने आए है। जिसके अनुसार बच्चे चाहें तो 5वीं कक्षा के बाद सीधे 8वीं में प्रवेश ले सकेंगे।

इसके लिए उन्हें पांचवीं कक्षा में अतिरिक्त क्रेडिट अंक हासिल करने होंगे। शिक्षा मंत्रालय ने स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा व कौशल विकास से जुड़े पाठ्यक्रमों को लेकर क्रेडिट फ्रेमवर्क को अंतिम रूप दिया है। शुरुआत में क्रेडिट फ्रेमवर्क को उच्च शिक्षा तक ही सीमित रखा गया था। राज्य शिक्षा केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क भी इस पर काम कर रहा है। पॉलिसी फाइनल होने के कारण प्रदेश में स्टेट क्रेडिट फ्रेमवर्क का गठन किया जाएगा। इसके बाद इसे लागू किया जाएगा। एनसीएफ के इस फॉर्मूले को चार स्तरों में बांटा गया है। पहला स्तर बालवाटिका से पांचवीं कक्षा तक, दूसरा छठी से आठवीं, तीसरा नौवीं और दसवीं तथा चैथा ग्यारहवीं व बारहवीं कक्षा के स्तर तक का होगा। सभी स्तरों के 40-40 क्रेडिट स्कोर होंगे। पूरी स्कूली शिक्षा का क्रेडिट स्कोर 160 होगा। कोई भी छात्र अतिरिक्त क्रेडिट अंकों के आधार पर सीधे दूसरे स्तर में दाखिला पा सकेगा। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक एनसीएफ का फॉर्मूला सभी स्तर के लिए एक समान रखा गया है। छात्र को एक क्रेडिट स्कोर तभी मिलेगा, जब वह उस क्षेत्र में कम से 30 घंटे का समय देगा।

प्रदेश पर मंडरा रहा चक्रवात का खतरा

भोपाल (काप्र)। देश में प्रवेश कर चुका पश्चिमी विक्षोभ पंजाब और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है।

प्रदेश के मध्य भाग में भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इस वजह से प्रदेश के मौसम में भारी उतार-चढ़ाव आ रहा है। पश्चिमी विक्षोभ अमूमन पंजाब-हरियाणा से होकर गुजरते हैं, लेकिन इस बार पश्चिमी विक्षोभ राजस्थान और उत्तरी मध्य प्रदेश से होकर गुजर रहा है। यही कारण है कि मध्य प्रदेश के इलाकों में भी चक्रवाती घेरे बने हुए हैं। ट्रफ लाइन बनने से अरब सागर से नमी आ रही है, जिससे तापमान में गिरावट हो रही है। अगले 24 घंटे में महाकौशल, विंध्य, बुंदेलखंड इलाकों सहित 15 जिलों में हल्की वर्षा का अनुमान है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक प्रदेश का मौसम बिगड़ा रहने का अनुमान व्यक्त किया है। प्रदेश में मार्च-अप्रैल की तरह ही मई की शुरुआत भी आंधी-बारिश से होगी। 27 अप्रैल से नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है, जिसका असर 4 मई तक रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो नए सिस्टम का असर प्रदेशभर में रहेगा। बादल छाए रहेंगे, तो 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी चलेगी और बारिश भी होगी। एक्टिव मौजूदा सिस्टम की वजह से मंगलवार को रीवा संभाग के जिलों समेत टीकमगढ़, निवाड़ी और छतरपुर में हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि प्रदेश में 25 और 26 अप्रैल को गर्मी का असर बढ़ जाएगा। रीवा संभाग के जिले रीवा, सतना, सीधी और सिंगरौली में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। टीकमगढ़, निवाड़ी और छतरपुर में भी मौसम बदला हुआ रहेगा। मौसम वैज्ञानिक पांडे ने बताया कि दो दिन बाद यानी, 27 अप्रैल को उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो रहा है। इसका प्रदेश में 27-30 अप्रैल और 1 से 4 मई तक असर देखने को मिलेगा। प्रदेशभर में बादलों का दौर रहेगा व चमक-गरज के साथ बारिश होगी। आकाशीय बिजली चमकने या गिरने की संभावना रहेगी। भोपाल में 26, 27 और 28 अप्रैल को तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। इससे दिन के तापमान में गिरावट होगी। वहीं, रात में भी गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार दिन में पारा 36 डिग्री और रात में 20 डिग्री के आसपास तापमान रहने का अनुमान है।

खास खबर सक्षम संरक्षण क्षमता महोत्सव 2023 का शुभारंभ...

ऊर्जा बचत के लिए 365 दिन सावधानियों का पालन जरूरीः राज्यपाल

भोपाल (काप्र)।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि ऊर्जा की बचत के लिए 365 दिन छोटी-छोटी सावधानियां और कार्यों का पालन किया जाना ज़रूरी है। आज ऊर्जा की बचत कल के भविष्य की सुरक्षा है।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण अभियान की सफलता के लिए सामाजिक सोच का होना ज़रूरी है। ऊर्जा संरक्षण को आदत बनाने के प्रयास आवश्यक हैं। राज्यपाल आज सक्षम संरक्षण क्षमता महोत्सव 2023 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। श्री पटेल ने इस अवसर पर आकाश में गुब्बारे उड़ा, जागृति रथ को झंडी दिखा कर रवाना किया। ऊर्जा संरक्षण शपथ ग्रहण कराई। कार्यक्रम में सक्षम अभियान पर आधारित नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। सक्षम महोत्सव शुभारम्भ कार्यक्रम का आयोजन पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और पेट्रोलियम संरक्षण संघ के तत्वावधान में मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल, भोपाल में किया गया था।

राज्यपाल ने कहा कि पेट्रोलियम आयात एवं प्रदूषण को कम करने के लिए पेट्रोल में इथनॉल मिलाने की पहल से गन्ना उत्पादक किसान लाभान्वित हो रहे हैं। कचरे, पराली, खराब अनाज और अनुपयोगी खाने के तेल से बायोडीजल बनाने और नगरीय कचरे से बिजली उत्पादन के नवाचार सराहनीय है। महोत्सव में ऊर्जा के संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों का संचालन सराहनीय पहल है। सक्षम 2023 का नारा ऊर्जा संरक्षण नेट जीरो की ओर हमारे ऊर्जा संरक्षण प्रयासों और संभावनाओं की प्रभावी अभिव्यक्ति है।

प्रारम्भ में राज्यपाल का कार्यक्रम के राज्य स्तरीय समन्वयक कार्यपालक निदेशक, इंडियन आयल कारपोरेशन दीपक कुमार बासु ने अभिनन्दन किया। स्वागत उद्बोधन दिया। आभार प्रदर्शन राज्य प्रमुख, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड पी. मोतीरमानी ने किया। मंच पर उप महाप्रबंधक गेल इंडिया लिमिटेड बद्दू कोटेश्वर राव और उप महाप्रबंधक रिटेल, प्रशांत कुमार शुक्ल भी मौजूद थे।